समग्र शिक्षण एवं विकास संस्थान

सुभाष नगर, बेतिया की वार्षिक रपट

वर्ष 2018 - 19

वित्तीय वर्ष 2018 - 19 में संचालित प्रमुख परियोजनाओं व गतिविधियां;

1. **आजीविका संवर्द्धन**

    - India Grain Legume Cluster Development: Policy, Production and Nutrition
    - Development of Marginalized community to sustain their livelihood through right and entitlement
    - Promotion of sustainable livelihood platforms among Dalit community in Bihar for socio-economic empowerment and well being
    - Internet Sathi Phase - 3
    - Digital Livelihood profiling -
    - Digital livelihood profiling - Samastipur
    - सुगन्धित व औषधीय फसलों की उत्पादन व उत्पादकता में वृद्धि लाने व बेहतर बाजार व्यवस्था से जुडाव हेतु किसान समूहों का प्रशिक्षण व शैक्षणिक परिभ्रमण

2. **Internet security and safety Program - Saran and Samastipur**
3. **गाँधी विचार से युवाओं का जुडाव**
4. **क्षय रोग् पर कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण, संभावित क्षेत्रों में जागरूकता सह सर्वेक्षण**
5. **जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने हेतु ग्रामीण क्षेत्र में आवश्यक ढांचागत सुविधाओं का विकास.**
6. **बाल अधिकारों पर जागरूकता हेतु हितधारकों को संवेदनशील व जागरूक करना.**
7. **शिक्षा का अधिकार अधिनयम पर हितधारकों के बीच जागरूकता अभियान.**
8. **अपने मुद्दों पर फिल्म बनाकर, सामुदायिक स्तर पर प्रदर्शन के माध्यम से जल्द व जबरन शादी के निषेध हेतु नवयुवतियो में नेतृत्व कौशल विकसित करने का अभियान.**
9. **आपदा के प्रभावों को न्यूनतम करने हेतु समुदाय आधारित नियोजन सह जागरूकता अभियान.**
10. **अन्यान्य**

- **India Grain Legume Cluster Development: Policy, Production and Nutrition**

वर्ष 2018-19 में दलहन विकास परियोजना अपने तीसरे वर्ष में थी. इसका प्रमुख उद्देश्य लक्षित क्षेत्रों के किसानों की दलहनी फसलों का उत्पादन व उत्पादकता में वृद्धि के साथ स्थानीय उत्पादों को संगठित बाजार प्रणाली से जोड़ना है. इस परियोजना के अंतर्गत निम्न गतिविधियाँ की गयीं;

1. *<u>तीनों सीजन में दलहनी फसल अपनाने वाले किसानों की संख्या व डेमो प्लाट की स्थापना.</u>*
   वर्ष के तीन प्रमुख सीजन से पूर्व सभी किसान हितकारी समूहों की बैठक में परियोजना के कार्यकर्ताओं द्वारा दलहनी फसल लगाने हेतु प्रेरित व प्रशिक्षित किया जाता है. तत्पश्चात किसानों द्वारा जमीन की उपलब्धता के आधार पर नियोजन करके फसलों की खेती होती है. खेती की उन्नत तकनीक के प्रदर्शन हेतु लक्षित क्षेत्र के हर गाँव में एक डेमो प्लाट लगाया जाता है ताकि अन्य किसान इसे देख कर के उन्नत तकनीक व विधियाँ समझ व सीख सकें.

   वर्ष 2018-19 के तीन सीजन में दलहनी फसल लगाने वाले किसानो की संख्या व बीज की मात्रा;

सीजन	किसानों की संख्या	बीज की मात्रा (किग्रा.)	रकबा (एकड़ में)
जायद 2018	1464	3354	250
खरीफ 2018	1481	1596	205
रबी 2019	2701	5974	460
जायद 2019	1135	1490	85

2. *<u>किसानों समूहों के पदाधिकारियों व किसानों का प्रशिक्षण व मासिक बैठक.</u>*

   परियोजना के माध्यम से 40 गाँव में कुल 142 किसान समूहों का गठन हुआ है. इन समूहों में कुल 2338 महिला-पुरुष किसान सदस्य हैं. इन समूहों की बैठक माह में एक बार होती है. उन्नत तकनीको को समझाने व किसानो से फसल की वर्तमान स्थिति को जानने के लिए हर माह में किसान हितकारी समूहों की बैठक में चर्चा होती है. बैठक के दौरान ही उस समय के दौरान लगने वाली फसलों पर फ्लिप्चार्ट के माध्यम से तीन चरणों में प्रशिक्षण दिया गया. डेमो लगाने वाले किसानों का अलग से गहन प्रशिक्षण किया गया ताकि वह अपने डेमो की गंभीरता को जान-समझ कर उसे भलीभांति अपनाएं. इसके अलावा हर किसान हितकारी

समूह के तीन नेतृत्व कर्ताओं को समूह के संचालन की विधियों पर भी वर्ष में तीन बार प्रशिक्षित किया गया.

मासिक बैठकों की कुल संख्या	कुल प्रतिभागी किसानों की संख्या
1369	15140

प्रशिक्षण का विषय	प्रशिक्षण की संख्या	प्रशिक्षण प्राप्त किसानों की संख्या
खेती की उन्नत तकनीक पर फेज वाइज प्रशिक्षण	1062	11718
डेमो किसानों का प्रशिक्षण	8	226

3. *<u>किसानों का शैक्षणिक परिभ्रमण.</u>*

हर सीजन में लगने वाले कुछ डेमो प्लाट में से कुछ सफल डेमो प्लाट पर आसपास के किसानों का परिभ्रमण सह प्रदर्शन किया जाता है. इससे इन किसानो को नयी तकनीक के प्रभावों को देखने व समझने का अवसर मिलता है. यह उन्नत तकनीको के प्रसार का एक प्रभावी तरीका है.

स्थान	किसानों की संख्या
डेमो प्लाट	889
केवीके व अन्य शैक्षणिक संस्थान	385

4. *<u>सिंचाई हेतु सामूहिक सोलर प्रणाली की स्थापना व उदघाटन.</u>*

आधुनिक समय खेती में अलगत का बढ़ाना किसानी के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है. इसका हल अब सामूहिकता में ढूंढा जा रहा है. इसी दृष्टिकोण के साथ नौतन के मनियारी झखरा गाँव में 35 एकड़ भूमि में सस्ती व टिकाऊ सिचाई हेतु एक सोलर शक्ति पर आधारित एक सामूहिक सिंचाई प्रणाली की स्थापना की गयी है. यह परियोजना एवं स्थानीय किसानो के संयुक्त प्रयास से स्थापित हुआ. वर्तमान में शीतल सिंचाई किसान समूह के द्वारा इसका संचलन किया जा रहा है. इस प्रणाली से कुल 61 किसान लाभान्वित हो रहे हैं.

इसका शुभारम्भ 20 दिसंबर 2018 को स्थानीय किसान समूह के नेतृत्व कर्ताओं ने सामूहिक विधि से किया. इस प्रणाली की स्थपना में लगे कुल खर्च में से .... प्रतिशत स्थानीय शीतल सिंचाई किसान समूह ने स्थानीय सहयोग दिया व भूमि भी उपलब्ध की.

सिंचाई समूह का नाम	सदस्यों की संख्या	सिंचित खेत्र (एकड़ में)
शीतल सिचाई किसान समूह, मनियारी झखरा,नौतन (प.चम्पारण)	32	30

5. किसान सुविधा केन्द्रों का सञ्चालन.

किसानों को नयी तकनीक से जोड़ने एवं सुविधा के लिए स्थानीय स्तर पर कुछ नई मशीन के साथ किसान सुविधा केंद्र की स्थापना की गयी. पूरी परियोजना क्षेत्र में ऐसे पांच केंद्रों की स्थापना की गई है. सभी केंद्रों पर खेती-बारी की कुछ आधुनिक मशीनें व छोटे टूल उपलब्ध कराए गए हैं. इन सभी किसान सुविधा केंद्रों का संचालन किसानों कि स्थानीय कमेटी द्वारा किया जाता है. समिति के अधिकारियों द्वारा ही वर्ष में चार बार बैठक कर बैठक सुविधा केंद्र का संचालन सुनिश्चित किया जाता है.

किसान सुविधा केंद्र का नाम	सामग्री	बैठक	बैठक का समय
किसान सुविधा केंद्र, पकडिया, नौतन	जीरो टिलेज मशीन, लहसुनिया हल, मृदा जाँच किट,मैन्युअल सीड ड्रिल	4	हर सीजन से पूर्व
किसान सुविधा केंद्र, विरती टोला, नौतन	जीरो टिलेज मशीन, लहसुनिया हल, मृदा जाँच किट,मैन्युअल सीड ड्रिल	4	हर सीजन से पूर्व
किसान सुविधा केंद्र, मनियारी, नौतन	जीरो टिलेज मशीन, लहसुनिया हल, मृदा जाँच किट,मैन्युअल सीड ड्रिल	4	हर सीजन से पूर्व
किसान सुविधा केंद्र, पुजहाँ, बैरिया.	जीरो टिलेज मशीन, लहसुनिया हल, मृदा जाँच किट,मैन्युअल सीड ड्रिल	4	हर सीजन से पूर्व
किसान सुविधा केंद्र,बगही, बैरिय	जीरो टिलेज मशीन, लहसुनिया हल, मृदा जाँच किट,मैन्युअल सीड ड्रिल	4	हर सीजन से पूर्व

6. कठपुतली शो व नुक्कड़ नाटक व फिल्म प्रदर्शन के माध्यम से किसानों के बीच जागरूकता अभियान.

किसानों की एकता को बल देने के लिए एवं किसानों के लिए निर्मित संगठन जैसे किसान हितभागी समूह, क्लस्टर समूह एवं आत्मनिर्भर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी से किसानों को जोड़ने के लिए सामुदायिक स्तर पर जागरूकता के लिए कई कार्यक्रम किए गए. इनमें से कठपुतली शो एवं प्रदर्शन अत्यंत प्रभावी साबित हुए हैं

गतिविधि की संख्या	प्रतिभागियों /किसानों की संख्या
104	3831

7. किसान उत्पादक कंपनी के सदस्यों का प्रशिक्षण व शैक्षणिक परिभ्रमण

परियोजना के कार्य क्षेत्र में उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ने के बाद यह महसूस किया गया कि बेहतर बाजार मूल्य नहीं मिलना आज भी किसानों के लिए एक बड़ी चुनौती है. इसके लिए आत्मनिर्भर फार्मर प्रोडूसर कंपनी का गठन स्थानीय किसानो के समूहों ने किया. समय समय पर आवश्यक तकनिकी परियोजना द्वारा मुहैया किया गया है. यह कंपनी किसानों की, किसानों के लिए और किसानों के द्वारा ही संचालित है. परियोजना द्वारा समय-समय पर इस कंपनी के नेतृत्व कर्ताओं एवं शेयरधारक किसानों को प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक परिभ्रमण कराया गया है.

सीजन	डेमो प्लाट की संख्या	किसानों की संख्या	डेमो का प्रकार
जायद 2018	70	70	जीरो टिलेज, छोटा यन्त्र, जैविक कीटनाशी, क्रॉप म्यूजियम, जंगली जानवरों से बचाव
खरीफ 2018	70	70	जीरो टिलेज, छोटा यन्त्र, जैविक कीटनाशी, क्रॉप म्यूजियम, जंगली जानवरों से बचाव
रबी 2019	40	40	जीरो टिलेज, छोटा यन्त्र, जैविक कीटनाशी, क्रॉप म्यूजियम, जंगली जानवरों से बचाव
जायद 2019	46	46	जीरो टिलेज, छोटा यन्त्र, जैविक कीटनाशी, क्रॉप म्यूजियम, जंगली जानवरों से बचाव

कार्यक्षेत्र का विवरण;

जिला	प्रखंड	ग्राम पंचायत	गाँव/ टोला
पश्चिम चंपारण	1. नौतन	1. बैकुंठवा	जयनगर, बैकुंठवा, बिशुनपुरा
		2. जगदीशपुर	वृत्ति टोला, डेगौना, दिउलिया
		3. पकडिया	डेगौना, कोइरी टोला, बहोरनपुर, बेलवा
		4. गहिरी	शिवरही मठिया, हरदी पट्टी, गहिरी, गम्हरिया
		5. जमुनिया	मुनेश्वर महतो टोला, मन टोला, उत्तरवारी टोला
		6. झखरा	मोतीपुर, जमुनिया, मनियारी झखरा, झखरा
	2. बैरिया	7. दक्षिणी तेल्हुआ	झखरा जान, परहा टोला, मौजे टोला, सती टोला
		8. उत्तरी पतिजिरवा	बनवा टोला, खाखर टोला, बनरही
		9. मलाही बलुआ	पुजहाँ, कोइरी टोला, सिरिसिया, सिरिरिया कालोनी
		10.बगही बगाम्भारपुर	मठिया, बलुआ रमपुरवा, बगही, बघम्बरपुर, तुरहा टोला
		11.दक्षिणी पटजिरवा	राय टोला, बिन टोलिया, कुर्मी टोला, रनहा, लाला टोला
जिला - 1	प्रखंड - 2	ग्राम पंचायत - 11	गाँव / टोला - 40

- **Development of Marginalized community to sustain their livelihood through right and entitlement**

यह परियोजना अपने चौथे वर्ष में है. यह दलित व बहिष्कृत समुदायों के किसानों व मजदूरों की आजीविका संवर्द्धन हेतु योगापट्टी प्रखंड के 10 टोलों में संचालित है. कासा (CASA) एवं ब्रेड फॉर द वर्ल्ड (BFTW) द्वारा समर्थित यह परियोजना निम्न कार्य क्षेत्र में चल रही है;

जिला	प्रखंड	ग्राम पंचायत	गाँव / टोला
पश्चिम चंपारण	योगापट्टी	नवलपुर	झावानिया टोला, बिन टोली, अंसारी टोला, ब्रम्हचारी टोला, झाझ टोला, प्रताप टोला
		पिपरहिया	पिपरहिया, सेमरी भवानीपुर
		बलुआ भवानीपुर	परेगवा, कवलापुर
जिला - 1	प्रखंड - 1	ग्राम पंचायत - 3	गाँव / टोला - 10

इसके अंतर्गत निम्न गतिविधियाँ संचालित हुईं,

1. *खेती आधारित आजीविका संवर्द्धन हेतु लघु व सीमान्त जोत के किसानों का प्रशिक्षण.*
   इसके अंतर्गत कुल तीन सीजन के पूर्व 198 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया, यह सभी कम क्षेत्र में अधिक से अधिक उत्पादन लेने की तकनीक व खेती में लागत घटाने की तकनीक से संबंधित थी.

2. *भूमिहीन किसानों व महिला खेतिहर मजदूरों हेतु आजीविका के लिए संचालित राजकीय योजनाओं पर जागरूकता.*
   लघु व सीमान्त किसानो के लिए महात्मा गाँधी नरेगा, हरियाली मिशन एवं कृषि विभाग की कई योजनायें है. इन सभी योजनाओं की प्रक्रिया व लाभों से स्थानीय संगठन के सदस्यों से अवगत कराने हेतु वर्ष में तीन बार इनका प्रशिक्षण किया गया. इन प्रशिक्षणों में कुल 482 किसानों/ मजदूरों ने भाग लिया.

3. *वास भूमि हेतु निर्मित राजकीय नियमों व प्रक्रियाओं पर समुदाय आधारित संगठनों के नेतृत्वकर्ताओं का प्रशिक्षण.*
   वास भूमि से संबंधित कानूनों पर कुल 342 ग्रामीणों को जागरूक किया गया. इस प्रक्रिया में उन्हें ग्राम स्तर व प्रखंड स्तर पर प्रशिक्षित किया गया.

4. *वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने व जागरूक नागरिक बनने हेतु स्थानीय स्तर पर लक्षित समुदाय के किशोर व किशोरियों के समूह का गठन व विभिन्न शैक्षणिक व जीवन कौशल से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण.*

कुल चार किशोर व किशोरी मंच का गठन किया गया है. इनमे 62 सदस्य हैं. वर्ष में दो बार आवासीय प्रशिक्षण हो चुका है. इन्हें पंचायती राज, शिक्षा का अधिकार, बाल अधिकार, बाल विवाह का निषेध संबंधी विषयों पर प्रशिक्षित किया गया है.

5. *जैविक खाद निर्माण करने हेतु लक्षित समुदाय के किसानों का प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण*
   लक्षित समूह के भूमिहीन किसानों को पूर्व वर्ष की भांति ही केंचुआ खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया. साथ ही एक जागरूक किसान परशुराम सिंह के केंचुआ खाद उत्पादन यूनिट पर एकदिवसीय एक्सपोजर किया गया. इसमें 12 किसानों ने भाग लिया.

- **Promotion of sustainable livelihood platforms among Dalit community in Bihar for socio-economic empowerment and well being**

यह परियोजना अपने प्रथम वर्ष में है. यह मुख्य रूप से दलित व अत्यंत कम जोत वाले किसानों की सब्जी की खेती की माध्यम से आय में वृद्धि लाने के उद्देश्य से संचालित है. यह Partnering Hope Into Action - PHIA एवं करुणा ट्रस्ट, लन्दन द्वारा समर्थित है व निम्नलिखित क्षेत्रों में संचालित हो रही है;

जिला	प्रखंड	ग्राम पंचायत	गाँव / टोला
पश्चिम चंपारण	नौतन	बरदाहा	सोता टोला,
		दक्षिणी तेल्हुआ	दलित टोला, खाप टोला
	लौरिया	कटैया	हरपुर
		धोबनी	आंबेडकर नगर
		मठिया	मठिया
जिला - 1	प्रखंड - 1	ग्राम पंचायत - 5	गाँव / टोला - 6

परियोजना के अंतर्गत प्रमुख गतिविधियाँ;

1. *लक्षित समूह की आजीविका की वर्तमान स्थिति जानने के लिए बेसलाईन सर्वेक्षण*
   चयनित गाँव / टोले के दलित समुदाय के परिवारों की आजीविका की स्थिति व संभावनाओं को जानने के लिए सभी परिवारों का बेसलाईन सर्वेक्षण किया गया. कुल 242 परिवारों का

सर्वेक्षण हुआ. सर्वेक्षण के बाद एक संक्षिप्त रपट बन कर तैयार हुई, जिसके आधार पर परियोजना की आगे की रणनीति तय हुई.

2. *दलित वर्ग में किसान समूहों का गठन व मासिक बैठक*

   इन सभी 06 लक्षित टोलों में कुल 12 किसान समूहों का गठन किया गया. जिसमें 86 महिलाएं व 129 पुरुष है. समूहों की मासिक बैठक होती है. इसमें 5 महिला व शेष पुरुष किसान समूह है.

3. *सब्जी की उन्नत खेती पर किसान समूहों का प्रशिक्षण, डेमो प्लाट की स्थापना व उसका प्रत्यक्षण*

   प्रत्येक सीजन में हर गाँव में डेमो प्लाट की स्थापना की गयी. इससे पहले इन किसानों का विशेष प्रशिक्षण किया गया. इस तरह रपट की अवधि में कुल दो बार में 60 डेमो प्लाट लगाया गया. इन डेमो प्लाट का सामूहिक प्रत्यक्षण आस पास के दलित किसानों से किया गया. कुल 6 प्रत्यक्षण कार्यक्रम हुए जिसमे 128 किसानो ने भाग लिया.

4. *जैविक कीटनाशक व खाद का निर्माण करने की विधि का प्रशिक्षण सह प्रत्यक्षण*

   खेती में लागत कम करने के लिए एवं पर्यावरण की सुरक्षा हेतु सभी लक्षित किसानों को तीन बार प्रशिक्षण दिया गया. साथ ही उन्हें संबंधित सामग्री भी मुहैया करायी गयी. इस तरह कुल 47 किसानो ने पहले सीजन - रबी 2018 में और 74 ने दूसरे सीजन - जायद 2019 में अपने सब्जी की खेती में जैविक कीटनाशक का उपयोग किया.

5. *छोटे यंत्रों का प्रत्यक्षण*

   सभी लक्षित किसानो की उत्पादकता में वृद्धि लाने एवं शारीरिक श्रम में कमी लाने हेतु नए व लघु यंत्रों पर स्थानीय केवीके (माधोपुर) के प्रमुख इंजिनियर रेयाज अहमद ने प्रशिक्षण दिया. इसमें कुल 52 किसानों ने भाग लिया. उन्होंने 06 हस्तचालित ग्रबर भी उपलब्ध कराया.

- **Internet Sathi Phase - 3**

  यह परियोजना PHIA एवं FREND के द्वारा समर्थित है. इसके अंतर्गत समस्तीपुर जिला के 16 प्रखंड की कुल 265 इन्टरनेट साथियों ने लगभग 185500 किशोरियों और महिलाओं को इन्टरनेट चलाना सिखाया गया. यह परियोजना छः माह की थी.

यह अप्रैल 2018 से नवंबर 2018 तक चला. इसका उद्देश्य गाँव की गरीब व वंचित समुदाय की महिलाओं व किशोरियों को इन्टरनेट की आधाभूत जानकारी देना था.

- **Digital Livelihood profiling -** यह परियोजना PHIA एवं FREND के द्वारा समर्थित है. यह परियोजना अप्रैल 2018 से दिसम्बर 2018 तक संचालित हुई. इसके अनतर्गत इन्टरनेट साथियों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सभी तरह के संभावित आंकड़ों को इकठ्ठा किया गया. यह परियोजना समस्तीपुर व सारण के **.....** प्रखंडों में चली.
- **ISSP - Internet Safety and Security Program** यह परियोजना PHIA एवं FREND के द्वारा समर्थित है. यह **........** 2018 **से** 2018 तक संचालित हुई. इसके अंतर्गत समस्तीपुर व सारण जिला के .... प्रखंडों में कार्य हुआ. इसका मुख्य उद्देश्य इन्टरनेट के उपयोग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर ग्रामीण महिलाओं को जागरूक व शिक्षित करना था. इसके माध्यम से साइबर ठगी की घटनाओं से बचने व इन्टरनेट पर सुरक्षा बरतने के विषय पर .... महिलाओं व युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया.

- **गाँधी विचार से युवाओं का जुडाव**

गाँधी विचार से युवाओं को जोड़ने के लिए राजकीय उच्च विद्यालयों में एक यात्रा का आयोजन किया गया. यह यात्रा दो जिलों पश्चिमी व पूर्वी चंपारण के 37 विद्यालयों में गयी और कुल 2248 छात्र छात्राओं से सम्पर्क किया. उनसे शिक्षा का अधिकार कानून, समान व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता पर चर्चा हुई व महात्मा गाँधी के जीवन मूल्यों के बारे में बताया गया. सभी छात्रों को गाँधी साहित्य से संबंधित कुछ पुस्तकें भी निःशुल्क दी गयीं.

3. **क्षय रोग् पर कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण, संभावित क्षेत्रों में जागरूकता सह सर्वेक्षण**

पश्चिमी चम्पारण जिला के चार प्रखंडों, योगापट्टी, बगहा 1, बगहा 2 एवं लौरिया में क्षय रोग के रोगियों को चिन्हित करने के लिए संस्था के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण 12 जनवरी को संस्था कार्यालय में हुआ. तत्पश्चात सभी अंचलों के दलित व अन्य गरीब बस्तियों में ऐसे रोगियों की पहचान के लिए सर्वेक्षण किया गया. रोगी के लक्षणों के आधार पर उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाने की सलाह दी गयी. कुल 184 संभावित रोगियों की पहचान कर उन्हें अस्पताल से जोड़ा गया.

4. **जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने हेतु ग्रामीण क्षेत्र में आवश्यक ढांचागत सुविधाओं का विकास.**
   यह परियोजना मुजफ्फरपुर एवं मधुबनी जिला के 8 प्रखंडों में संचालित हो रही थी. मुजफ्फरपुर में बांदरा, बोचहाँ, औराई एवं कटरा तथा मधुबनी में .... प्रखंड थे. इसका लक्ष्य लक्षित ग्रामीण क्षेत्रों के सामुदायिक नेतृत्व कर्ताओं को जलवायु परिवर्तन के मसले पर उन्हें संवेदनशील बनाना है. साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में बनने वाले बुनियादी ढांचा को जलवायु परिवर्तन के अनुसार निर्मित करने हेतु स्थानीय पंचायत के प्रतिनिधियों को भी संवेदनशील व प्रशिक्षित किया गया. परियोजना के अंतर्गत जारी प्रयासों के बाद रपट की अवधि में कुल .... तालाब व .... पईन का **निर्माण हुआ.**

5. **बाल अधिकारों पर जागरूकता हेतु हितधारकों को संवेदनशील व जागरूक करना.**

6. **शिक्षा का अधिकार अधिनयम पर हितधारकों के बीच जागरूकता अभियान.**

7. **अपने मुद्दों पर फिल्म बनाकर, सामुदायिक स्तर पर प्रदर्शन के माध्यम से जल्द व जबरन शादी के निषेध हेतु नवयुवतियो में नेतृत्व कौशल विकसित करने का अभियान.**

8. **आपदा के प्रभावों को न्यूनतम करने हेतु समुदाय आधारित नियोजन सह जागरूकता अभियान**